संक्षेप में

पीसी ज्वैलर ने 335 करोड़ का कर्ज कम किया

पीसी ज्वैलर लिमिटेड का शुद्ध कर्ज पिछले चार महीनों में 19 प्रतिशत या 335 करोड़ रुपये घटकर 1,445 करोड़ रुपये रह गया है। पीसी ज्वैलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने बताया कि बिक्री बढ़ने से कर्ज कम करने में मदद मिली और चालू वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी कर्ज मुक्त हो जाएगी। दिल्ली स्थित पीसी ज्वैलर के देश के प्रमुख शहरों में 52 शोरूम हैं, जिनमें से 49 कंपनी के स्वामित्व वाले हैं। गर्ग ने बताया, 'हमने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान 335 करोड़ रुपये के बैंक ऋण चुकाए हैं।' *भाषा*

कल्याण ज्वैलर्स की नजर फ्रैंचाइजी मॉडल पर

आभूषण खुदरा विक्रेता कल्याण ज्वैलर्स चालू वित्त वर्ष में घरेलू और विदेशी बाजारों में फ्रैंचाइजी मॉडल से 170 स्टोर खोलने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इससे ऋण देनदारियों को कम करने में मदद मिलेगी। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक 30 जून, 2025 तक भारत और पश्चिम एशिया में कल्याण ज्वैलर्स के कुल 406 शोरूम थे (कल्याण इंडिया - 287, कल्याण पश्चिम एशिया - 36, कल्याण अमेरिका - 2)। इसमें कैंडेरे के 81 शोरूम भी शामिल हैं। *भाषा*

पियाजियो को एल5 ई तिपहिया से उम्मीद

छोटे वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता पियाजियो व्हीकल्स को उम्मीद है कि संरचनात्मक बदलाव और अन्य कारकों के कारण घरेलू बाजार में एल5 इलेक्ट्रिक तिपहिया खंड की पहुंच 2028 के मध्य तक अधिकतम 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले महीने दो नए इलेक्ट्रिक यात्री तिपहिया- एप ई-सिटी अल्ट्रा और उन्नत एप एफएक्स मैक्स पेश किए थे। कंपनी ने कहा कि सरकार को प्रोत्साहनों को जारी रखने के मुद्दे पर स्पष्टता प्रदान करने की आवश्यकता है। पियाजियो कमर्शियल व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (पीवीपीएल), इतालवी वाहन कंपनी पियाजियो समूह की भारतीय अनुषंगी कंपनी है। पीवीपीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डिएगो ग्रैफी ने कहा, 'पिछले डेढ़ साल में देश में एल5 श्रेणी के इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की पहुंच में तेज़ी आई है। और यह तब है जब इसी अवधि में 'फेम' कार्यक्रम के तहत सरकारी प्रोत्साहन घटकर एक-चौथाई रह गए हैं।' *भाषा*

इंडियन होटल्स कंपनी का पूर्वोत्तर पर जोर

टाटा समूह की आतिथ्य सेवा इकाई इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) वृद्धि के लिए पूर्वोत्तर में नई संपत्तियों के विकास पर जोर दे रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत चटवाल ने यह जानकारी दी। कंपनी के पास पूर्वोत्तर में कुल 1,348 कमरों वाले 15 होटल हैं। इसके अलावा कुल 634 कमरों वाले छह होटल बन रहे हैं। चटवाल ने बताया कि पूर्व और पूर्वोत्तर में संपत्तियों का विकास एक रणनीतिक पहल का हिस्सा रहा है। *भाषा*

आईफोन का निर्यात 82% बढ़ा

अमेरिका की टैरिफ धमकी के बावजूद कुल स्मार्टफोन निर्यात रिकॉर्ड 7.7 अरब डॉलर तक पहुंचा

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 3 अगस्त

ऐपल इंक ने अपने विक्रेताओं के जरिये अप्रैल-जून 2025 तिमाही के दौरान भारत से 6 अरब डॉलर के आईफोन निर्यात किए। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 82 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि है। विक्रेताओं द्वारा सरकार के साथ साझा किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले इसी अवधि में निर्यात केवल 3.2 अरब डॉलर रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी के बावजूद उद्योग के अनुमानों के अनुसार इसी तिमाही में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 58 प्रतिशत बढ़कर 7.72 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 अरब डॉलर था। इस वित्त वर्ष की जून तिमाही में भारत से अब तक का सर्वाधिक स्मार्टफोन निर्यात हुआ है और कुल निर्यात में ऐपल की लगभग 78 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। ऐपल इंक को भेजे गए सवाल का खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं मिला।

अलबत्ता स्मार्टफोन निर्यात में इस वृद्धि की निरंतरता व्यापार विस्तार अधिनियम की धारा 232 के तहत अमेरिकी जांच के परिणाम पर निर्भर करेगी जो अमेरिकी राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर आयात प्रतिबंध का अधिकार देती है। यह रिपोर्ट 14 अगस्त तक आने की उम्मीद है। तब तक मोबाइल शून्य शुल्क के साथ छूट वाली सूची में बने रहेंगे। पिछले साल भारत का स्मार्टफोन निर्यात 24.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया जिसमें ऐपल की हिस्सेदारी 17.5 अरब डॉलर रही। उद्योग विशेषज्ञों को उम्मीद है कि छूट जारी रहेगी या शुल्क न्यूनतम होगा।

साल 2020 में घोषित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की मदद से स्मार्टफोन निर्यात वित्त वर्ष 2025 में देश के शीर्ष निर्यात (एचएस कोड के अनुसार) पर पहुंच गया है, जबकि 10 साल पहले वित्त वर्ष 15 में भारत से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की सूची में इसका स्थान 167वां था।

वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के दौरान स्मार्टफोन निर्यात में इस वृद्धि ने भारत के समूचे इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को भी बढ़ावा दिया है और यह इसी अवधि में 12.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 8.4 अरब डॉलर की तुलना में 48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के दौरान कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन का हिस्सा 62 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले की इसी तिमाही के 58 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। ऐपल इंक के अलावा स्मार्टफोन निर्यात में योगदान करने वाली अन्य कंपनियों में सैमसंग, पैडगेट इलेक्ट्रॉनिक्स (डिक्सन टेक्नॉलजीज की सहायक कंपनी) और बाजार से निर्यात शामिल हैं। अनुमानों के अनुसार कुल निर्यात में सैमसंग की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रही, जबकि शेष 10 प्रतिशत हिस्सेदारी में पैडगेट और बाजार की अन्य कंपनियों का निर्यात शामिल रहा। अकेले पैडगेट ने ही वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 17.5 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोनों का निर्यात किया।

स्मार्टफोन निर्यात में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाने में पीएलआई योजना का सकारात्मक असर साल 2020 से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत ने पूरे वित्त वर्ष 21 में केवल 3.1 अरब डॉलर मूल्य के स्मार्टफोन निर्यात किए थे। पीएलआई योजना के परिणाम वित्त वर्ष 22 में दिखने लगे जब निर्यात बढ़कर 5.8 अरब डॉलर हो गया।

भारत से स्मार्टफोन निर्यात में हुआ सुधार

- पहली तिमाही में आईफोन का निर्यात बढ़कर 6 अरब डॉलर हुआ
- कुल निर्यात में सैमसंग की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रही, जबकि शेष 10 प्रतिशत हिस्सेदारी में पैडगेट और अन्य कंपनियों का निर्यात शामिल रहा
- स्मार्टफोन निर्यात में भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाने में पीएलआई योजना का सकारात्मक असर साल 2020 से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है

वैश्विक एआई की दौड़ में एमेजॉन का भारत पर दांव

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 3 अगस्त

डॉ. स्वामी शिवसुब्रमण्यन

जैसे-जैसे आर्टिफिशल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) का दौर नज़दीक आ रहा है और अमेरिका तकनीकी प्रभुत्व के लिए चीन से जूझ रहा है, एमेजॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्ल्यूएस) साहसिक लेकिन शांत कदम उठा रही है और वैश्विक एआई दौड़ में तीसरी बड़ी ताकत बनने के लिए भारत पर दांव लगा रही है। यह उस बुनियादी ढांचे पर 12.7 अरब डॉलर खर्च कर रही है जो यह तय कर सकता है कि भविष्य के सबसे उन्नत एआई सिस्टम्स की कंप्यूटिंग रीढ़ पर किसका नियंत्रण होगा।

यह दांव एक निर्णायक मोड़ पर आ गया है। जहां अमेरिका में एआई विकास को लेकर चीन से पिछड़ने की चिंता हैं और सैम ऑल्टमैन जैसे तकनीकी दिग्गज भविष्यवाणी कर रहे हैं कि एजीआई कुछ ही वर्षों में आ सकता है। वहीं एडब्ल्यूएस भारत के तकनीकी केंद्रों में क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है जो अगली पीढ़ी के एआई विकास को गति दे सकता है। 2030 तक कंपनी की 12.7 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता देश में सबसे बड़े विदेशी तकनीकी निवेशों में से एक है।

एडब्ल्यूएस के एजेंटिक एआई के उपाध्यक्ष और हाल तक व्हाइट हाउस में एआई प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रमुख सलाहकार रहे डॉ. स्वामी शिवसुब्रमण्यन ने साक्षात्कार में कहा, भविष्य के विकास को बड़े पैमाने पर गति देने के लिए आपको कंप्यूटर इन्फ्रास्ट्रक्चर में इन सभी निवेशों की आवश्यकता है। भारत दौरे पर आए शिवसुब्रमण्यन ने कहा, एआई की क्षमताओं के संदर्भ में हम एक अभूतपूर्व दौर से गुज़र रहे हैं।

वह भारत के लाखों डेवलपर्स को एक रणनीतिक संपत्ति मानते हैं, जिसकी न तो अमेरिका और न ही चीन नकल कर सकता है। शिवसुब्रमण्यन ने कहा, भारतीय डेवलपर समुदाय सबसे जीवंत समुदायों में से एक है। भारतीय बिल्डर नई तकनीकों को अपनाने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साही, जिज्ञासु और उत्साहित हैं।

ये दांव कॉरपोरेट मुनाफे से कहीं आगे तक फैले हैं। एजीआई, ऐसी एआई प्रणालियां हैं जो संज्ञानात्मक कार्यों में मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। आने वाले दशकों में ये राष्ट्रीय शक्ति का निर्धारण कर सकती हैं।

अपने बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने के साथ-साथ एडब्ल्यूएस ने भारत में 59 लाख से अधिक लोगों को क्लाउड कौशल में प्रशिक्षित किया है। यह एक वैश्विक प्रयास का हिस्सा है जो 3.1 करोड़ से अधिक तक पहुंच गया है और निर्धारित समय से पहले ही 2025 के लक्ष्य को पार कर गया है।

शिवसुब्रमण्यन ने कहा, एडब्ल्यूएस भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ काफी काम कर रहा है और हम भारतीय क्षेत्र में एक बड़ा अवसर देख रहे हैं।

तकनीक बुनियादी चैटबॉट से लेकर जटिल योजना बनाने में सक्षम स्वायत्त प्रणालियों तक तेजी से विकसित हुई है। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि आप इन बुद्धिमान मॉडलों और एआई एजेंटों का उपयोग विश्वसनीय, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से कैसे कर सकते हैं?

एडब्ल्यूएस विश्वसनीय एआई उपयोग का समर्थन करने के लिए सभी पर्याप्त सुरक्षा उपायों और नीतियों के साथ-साथ एमेजॉन बेडरॉक एजेंटकोर और एमेजॉन नोवा जैसे उपकरणों में निवेश कर रहा है।

एडब्ल्यूएस का मुकाबला माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड और ओपनएआई जैसी कंपनियों से है। कंपनी का मानना है कि एआई का अगला चरण चैटबॉट्स द्वारा सवालों के जवाब देने पर आधारित नहीं होगा बल्कि स्वायत्त एजेंट होंगे जो विनिर्माण समस्याओं का निवारण कर सकते हैं, वित्तीय संचालन संभाल सकते हैं और पूरे व्यावसायिक वर्कफ्लो को बदल सकते हैं। क्योंकि कंपनियां अपने कार्यबल को तैयार करने की होड़ में हैं। शिवसुब्रमण्यन का कहना है कि यह तकनीक के प्रदर्शन के चरण से आगे बढ़कर मापने योग्य परिणाम देने लगी है।

विनफास्ट की तमिलनाडु इकाई में उत्पादन आज से होगा शुरू

शाइन जैकब
चेन्नई, 3 अगस्त

वियतनामी दिग्गज कंपनी विनफास्ट सोमवार को तमिलनाडु के तूत्तुक्कुडि स्थित अपने संयंत्र में उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। डीलरों का कहना है कि उसकी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी, वीएफ6 और वीएफ 7 पहले से ही पूरे देश में धूम मचा रही हैं।

इसकी प्रतिद्वंद्वी टेस्ला पर मीडिया का ध्यान आकर्षित होने के बीच डीलरों और उद्योग विशेषज्ञों ने संकेत दिया है कि विनफास्ट पिछले छह वर्षों में भारत में एक विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनी द्वारा सबसे अधिक पसंद की गई कंपनियों में से एक है, 2019 में दक्षिण कोरियाई प्रमुख किआ और चीन के स्वामित्व वाली कार निर्माता एमजी मोटर के बाद। हालांकि, जो बात इसकी शुरुआत को खास बनाती है, वह है देश भर में फैले रिटेल आउटलेट्स की लाइन-अप, इसके अलावा सहायक विनग्रीन के माध्यम से चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में इसकी शुरुआत।

राज्य में तीन आउटलेटों के साथ आने की योजना बना रहे देवभूमि ग्रुप के प्रबंध निदेशक राजिंदर वशिष्ठ ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश में, उत्पादों और उनके निर्माण के बारे में जिज्ञासा के कारण हमारे पास बहुत सारे सवाल आ रहे हैं।'

वशिष्ठ ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, 'हमें कार, उसके प्रदर्शन और माइलेज के बारे में लगातार पूछताछ मिल रही है। विनफास्ट एक विश्वसनीय ब्रांड है और हम 12 जिलों में चार्जिंग स्टेशन लगाने की भी योजना बना रहे हैं।' देवभूमि हिमाचल प्रदेश में ह्युंडै मोटर का पहले से ही सबसे बड़ा डीलर है और स्कोडा का भी संचालन करता है।

तूत्तुक्कुडि इकाई भारत में किसी विदेशी कंपनी द्वारा स्थापित पहली समर्पित इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण इकाई है। हालांकि इस प्योर-प्ले ईवी निर्माता ने अभी तक कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है, लेकिन उद्योग की उम्मीद के अनुसार कंपनी अपने शुरुआती चरण में लगभग 1,000-1,500 चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित कर सकती है। 8 जुलाई को, कंपनी ने गुरुग्राम में अपने सभी डीलरों के साथ एक बैठक की और विभिन्न शहरों में रिटेल आउटलेटों का उद्घाटन पहले ही हो चुका है। इन कारों की व्यावसायिक बिक्री अगस्त के मध्य से शुरू होने की उम्मीद है।

... पीएलआई के लिए 16 कंपनियां ही पात्र

पृष्ठ 1 का शेष

वाहन कलपुर्जा के मामले में यह आंकड़ा काफी कमजोर है, जहां 64 पात्र कंपनियों में से महज 9 कंपनियों को ही पीएलआई प्रोत्साहन के लिए मंजूरी मिल पाई है। मगर परेशान करने वाली बात यह है कि करीब 3 कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर्स या हब मोटर्स के साथ एकीकृत व्हील रिम बनाने की मंजूरी मिल गई है। मगर चीन में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियों के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऐसे में भारत में उत्पादन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

नई कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने वाहन से इतर अन्य क्षेत्र के निवेशकों की एक श्रेणी तैयार की है जो पीएलआई के लिए पात्र हो सकते हैं। मगर अब तक ओला इलेक्ट्रिक के अलावा अन्य पात्र 5 कंपनियों में से किसी को भी एक भी मॉडल के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी हरी झंडी नहीं दी गई है।

पीएलआई के लिए एकमात्र बड़ी सफलता इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए चैंपियन ओईएम श्रेणी में दिखी है जहां 4 में से 3 (पियाजियो को छोड़कर) को कई मॉडलों के लिए मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

कार के लिए चैंपियन ओईएम श्रेणी में शामिल 10 कंपनियों में से महज टाटा मोटर्स, एमऐंडएम, आयशर मोटर्स और पिनेकल मोबिलिटी को ही पीएलआई के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मंजूरी मिली है।

सुजूकी, अशोक लीलैंड, ह्युंडै, किया मोटर्स, पीसीए ऑटो मोबाइल्स सहित अन्य कंपनियों को किसी भी इलेक्ट्रिक मॉडल के लिए मंजूरी नहीं मिली है।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट
पोस्ट–नगरनार (बस्तर) छ.ग. पिन–494001
(CIN : L27310CT2015GOI001618)

खुली निविदा पूछताछ

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, नगरनार निम्नलिखित कार्यों के लिए दो निविदा प्रणाली में मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित करता है: **कार्य का नामः एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में शॉप फ्लोर, केबल सेलर और बिल्डिंग में सेफ्टी साइनेज वाल पेंटिंग। निविदा सं. और तिथिः एनएसएल/कॉन्ट्रैक्ट्स/सीओएन/772/वॉल पेंटिंग/2025/704 दिनांकः 04.08.2025, प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि और समय 14.08.2025 अप. 2.30 बजे** तक है। निविदा दस्तावेज़ वेबसाइट **www.nmdc.co.in** या **www.eprocure.gov.in** पर निविदा अनुभाग से डाउनलोड किए जा सकते हैं। **एचओडी (अनुबंध)**

गूगल : सीसीआई ने बढ़ाया जांच दायरा

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज गूगल का भारतीय प्रतिस्पर्धा विरोधी निकाय के साथ टकराव बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) द्वारा दायर शिकायत के आधार पर ऑनलाइन विज्ञापन में गूगल की प्रतिस्पर्धा विरोधी कार्यप्रणाली के मामले में अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

मैग्नेट संकट पर महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने कसी कमर

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा अगले नौ महीनों के लिए वैकल्पिक साधनों के जरिये दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति की योजना बना रही है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो के बीच कच्चे माल की कमी से निपटने के लिए वह 'इंजीनियरिंग प्रयास' करेगी। चीन के प्रमुख दुर्लभ खनिज मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंध लगाने के चलते आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं आई हैं, जिसका असर वाहन और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों सहित उपयोगकर्ता उद्योगों पर पड़ा है।

मैग्नेट वाहन, घरेलू उपकरण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आवश्यक घटक हैं। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी अमरज्योति बरुआ ने कहा, 'हमने जो भी कदम उठाए हैं, उनके आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 का इंतजाम तो मोटे तौर पर है। अब हमें कुछ मध्यम और दीर्घकालिक कदमों पर काम करना होगा।' *भाषा*

बोली की नामंजूरी को अदालत में चुनौती देगी जयप्रकाश इन्फ्राटेक

नई दिल्ली की रियल एस्टेट कंपनी जयप्रकाश इन्फ्राटेक लिमिटेड, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के लिए अपनी बोली नामंजूर किए जाने को अदालत में चुनौती देने की तैयारी कर रही है। इससे सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की इस दिवालिया कंपनी के समाधान में और देरी हो सकती है।

इस मामले से अवगत सूत्रों के अनुसार जेएएल के ऋणदाताओं ने अपर्याप्त बयाना राशि (ईएमडी) का हवाला देते हुए जयप्रकाश इन्फ्राटेक के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। कंपनी ने लगभग 100 करोड़ रुपये की जमा राशि के बदले सावधि जमा पर ग्रहणाधिकार (देनदार की संपत्ति या अन्य परिसंपत्तियों पर दावा अथवा कानूनी अधिकार) का प्रस्ताव रखा था, लेकिन निर्धारित प्रारूप में राशि जमा न करने और प्रस्ताव दाखिल करने में देरी के कारण बोली खारिज कर दी गई।

कंपनी के एक करीबी सूत्र ने बातचीत की गोपनीयता का हवाला देते हुए नाम न बताने की शर्त पर कहा, 'सावधि जमा पर ग्रहणाधिकार कानूनी रूप से वैध था और समय पर जमा किया गया था। हमारे पास अदालत जाने और दौड़ में बने रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।' *बीएस*

सुरक्षा में सेंध से हुए नुकसान को उठाएगा कॉइनडीसीएक्स

अजिंक्य कावले
मुंबई, 3 अगस्त

क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म कॉइनडीसीएक्स कथित सुरक्षा उल्लंघन से हुए पूरे 4.4 करोड़ डॉलर के नुकसान को इस वित्त वर्ष में अपनी बैलेंस शीट में शामिल करेगा। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ सुमित गुप्ता ने कहा कि यह कंपनी के लगभग तीन से चार महीने के राजस्व के बराबर है।

19 जुलाई को दर्ज यह चोरी किसी भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज में सुरक्षा उल्लंघन का दूसरा मामला है। पिछले साल जुलाई में वज़ीरएक्स में कथित सुरक्षा सेंध लगी थी जिससे 23 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ था।

गुप्ता ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, हमने अपनी बैलेंस शीट में (चोरी हुई) रकम को शामिल कर लिया है। हमारी बैलेंस शीट मज़बूत है। यह हमारे तीन से चार महीने के राजस्व के बराबर है। कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है।

गुप्ता ने कहा कि प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों की रकम से कोई समझौता नहीं हुआ क्योंकि वे कोल्ड वॉलेट इन्फ्रास्ट्रक्चर पर रखे गए थे। कोल्ड वॉलेट सुरक्षा को बेहतर बनाते हैं क्योंकि वे इंटरनेट से जुड़े नहीं होते और भौतिक, हार्डवेयर आधारित उपकरणों पर आधारित होते हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ-साथ कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस उल्लंघन की जांच कर रही हैं। शुरुआती निष्कर्षों से पता चला है कि यह एक सोशल इंजीनियरिंग हमला था।

कंपनी ने पिछले साल क्रिप्टो इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (सीआईपीएफ) बनाया था जिसका कुल कोष जून 2025 तक 60.08 करोड़ रुपये था। हालांकि चोरी गई राशि की भरपाई इस कोष से नहीं की जाएगी क्योंकि ग्राहकों के फंड पर असर नहीं पड़ा है। इसके बजाय नुकसान वाली रकम कंपनी की ट्रेजरी से रिकवर की जाएगी।

डीसीएक्स समूह भारत में कॉइनडीसीएक्स, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन में बिटओएसिस और ओक्टो जैसी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है।

इस बीच, गुप्ता ने स्पष्ट किया कि कंपनी पूंजी जुटाने या क्रिप्टो फर्म को बेचने के लिए किसी भी कंपनी या निवेशक के साथ सक्रिय बातचीत नहीं कर रही थी। उन्होंने कहा कि कंपनी का मूल्यांकन करीब 2.5 अरब डॉलर था जो 2022 में आखिरी बार पूंजी जुटाने पर 2.2 अरब डॉलर से अधिक था। कॉइनडीसीएक्स ने अब तक 2,144 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि अमेरिकी कंपनी कॉइनबेस 1 अरब डॉलर से कम के मूल्यांकन पर कॉइनडीसीएक्स का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रही है।

निडो होम फाइनैंस लिमिटेड
(पूर्व में एडलवाइस हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के नाम से ज्ञात), पंजीकृत कार्यालयः पांचवीं मंजिल, टावर 3, विंग बी, कोहिनूर सिटी मॉल, कोहिनूर सिटी, किरोल रोड, कुर्ला (डब्ल्यू), मुंबई-400070

ई-नीलामी - वैधानिक 15 दिनों की बिक्री सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अधीन ई-नीलामी द्वारा बिक्री।

एतद्द्वारा आम तौर पर जनसाधारण तथा विशेष रूप से कर्जदार तथा गारंटर को सूचना दी जाती है कि बकाया ऋण की वसूली तक नीचे सारणी में उल्लेखित रकम की वसूली के लिए निम्नलिखित सम्पत्ति की **"जैसे है जहां है", "जैसे है जो कुछ भी है" तथा "वहां जो कुछ है"** के आधार पर बिक्री की जाएगी। कर्जदारों, सह-कर्जदारों तथा गारंटरों द्वारा हासिल ऋण के लिए कथित सम्पत्ति **मैसर्स निडो होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में एडलवाइस हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के नाम से ज्ञात)** के पास गिरवी पर रखी गई है। प्रत्याभूत ऋणदाता के पास निम्नलिखित प्रत्याभूत सम्पत्ति पर भौतिक कब्जा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम	वसूल की जाने वाली रकम	आरक्षित मूल्य तथा ईएमडी	नीलामी की तारीख एवं समय
1.	रंजीत सिंह (कर्जदार) सुष्मिता दास (सह-कर्जदार)	**ऋण सं. LRAISTH0000096996** के लिए **दिनांक 02.08.2025** को **रु. 20,28,896/-** (रुपये बीस लाख अठाईस हजार आठ सौ छियानवे मात्र) + उस पर आगे के ब्याज + विधिक व्यय	**रु. 13,21,650/-** (रुपये तेरह लाख इक्कीस हजार छह सौ पचास मात्र) **बयाना राशि जमा रु. 1,32,165/-** (रुपये एक लाख बत्तीस हजार एक सौ पैंसठ मात्र)	**02-09-2025 को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक (5 मिनट की असीमित स्वतः विस्तार के साथ)**

निरीक्षण की तारीख एवं समयः 18-08-2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक | **भौतिक कब्जा की तारीखः 19-11-2024**

प्रत्याभूत सम्पत्ति का विवरणः "चौहान ग्रीन वैली" फेज-II के नाम से ज्ञात, मौजा-खमहरिया, पी.एच. सं. 15/44, आर.आई.सी. जुनवानी-07, तहसील एवं जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित सम्पत्ति, खसरा सं. 195, 216/1, 226 के हिस्से में सम्मिलित ब्लॉक सं. "ई6" की पांचवीं मंजिल पर बिल्ट अप एरिया 501.99 वर्ग फीट या 46.65 वर्ग मीटर परिमाप का फ्लैट सं. 33 (2बीएचके) वाले रिहायसी अपार्टमेंट/पारिवारिक इकाई टाइप का सम्पूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा।

टिप्पणीः- 1) नीलामी बिक्री वेबसाइट **https://sarfaesi.auctiontiger.net** के जरिए ऑनलाइन संचालित की जाएगी तथा सिर्फ वही बोलीदाता जिनके पास वैध ईमेल, पहचान के साक्ष्य एवं फोटो साक्ष्य, पैन कार्ड हैं तथा डिमांड ड्राफ्ट/एनईएफटी/आरटीजीएस के जरिए ईएमडी का भलीभांति भुगतान कर चुके हैं सिर्फ वे ही इस **"ऑनलाइन ई-नीलामी"** में भाग लेने के पात्र होंगे।
2) इच्छुक बोलीदाताओं को निम्नलिखित के पास डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के जरिए अपना ईएमडी जमा करना होगाः **लाभार्थी का नामः निडो होम फाइनैंस लिमिटेड, बैंकः भारतीय स्टेट बैंक, खाता नं. 65226845199, सरफेसी-नीलामी, निडो होम फाइनैंस लिमिटेड, आईएफएससी कोडः SBIN0001593.**
3) **ईएमडी के साथ ऑनलाइन आवेदन बोली प्रपत्र जमा करने की अंतिम तारीख 01-09-2025 है।**
4) बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट **https://sarfaesi.auctiontiger.net** देखें अथवा कृपया श्री मौलिक श्रीमाली से दूरभाष **+91-6351896643/9173528727, हेल्पलाइन ई-मेल आईडीः Support@auctiontiger.net** पर सम्पर्क करें।

मोबाइल नं.: 7400110339/ 7400113287/8956554477
दिनांकः 04-08-2025

हस्ता/- अधिकृत अधिकारी
निडो होम फाइनैंस लिमिटेड
(पूर्व में एडलवाइस हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के नाम से ज्ञात)

कोलकाता संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक जय हरगोविंददास सरैया द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789, चौभागा वेस्ट, पोस्ट ऑफिस-तिलजला, कोलकाता-700105, प. बंगाल से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, सी/ओ एपीजे बिजनेस सेंटर, 15 पार्क स्ट्रीट, एपीजे हाउस, ब्लॉक-सी, 8वां तक, कोलकाता 700016, प. बंगाल से प्रकाशित। संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. WBHIN/2008/24333 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।

सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं